ANNUAL SECONDARY EXAMINATION, 2015

HINDI (हिन्दी)

समयः 3 घण्टे] **SET-A** **[पूर्णांक: 100**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं यथा क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिए गए निर्देश के आलोक में ही लिखें।

3. 1 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में, 2 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में, 3 अंक के प्रश्नों के उतर प्रत्येक लगभग 60 शब्दों में, 4 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में, 5 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में एवं 10 अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखें।

खण्ड-क : अपठित गद्यांश (20 अंक)

प्रश्न 1. नीचे दिये गये गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

शास्त्री जी की एक सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे एक सामान्य परिवार में पैदा हुए थे। सामान्य परिवार में ही उनकी परवरिश हुई और जब वे देश के प्रधानमंत्री जैसे महत्त्वपूर्ण पद पर पहुँचे, तब भी वह सामान्य बने रहे। विनम्रता, सादगी और सरलता उनके व्यक्तित्व में एक विचित्र प्रकार का आकर्षण पैदा करती थी। इस दृष्टि से शास्त्री जी का व्यक्तित्व बापू के अधि क करीब था और कहना न होगा कि बापू से प्रभावित होकर ही सन् 1921 ई. में उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ी थी। शास्त्री जी पर भारतीय चिन्तकों, डॉ० भगवानदास तथा बापू का कुछ ऐसा प्रभाव रहा कि वह जीवन भर उन्हीं के आदर्शों पर चलते रहे और औरों को उसके लिए प्रेरित करते रहे। शास्त्री के संबंध में मुझे बाइबिल की वह उक्ति बिल्कुल सही जान पड़ती है कि विनम्र ही पृथ्वी के वारिस होंगे।"

शास्त्री जी ने हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में तब प्रवेश किया था, जब वे एक स्कूल के विद्यार्थी थे और उस समय उनकी उम्र 17 वर्ष की थी। गाँधी जी के आह्वान पर वे स्कूल छोड़कर बाहर आ गये थे। उसके बाद काशी विद्यापीठ में

उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी की। उनका मन हमेशा देश की आजादी और सामाजिक कार्यों की ओर लगा रहा। परिणाम यह हुआ कि सन् 1926 ई० में वे 'लोक सेवा मंडल' में शामिल हो गए, जिसके वे जीवन भर सदस्य रहे। इसमें शामिल होने बाद से शास्त्री जी ने गाँधी जी के विचारों के अनुरूप अछतोद्धार के काम में अपने आपको लगाया। यहाँ से शास्त्री जी के जीवन का नया अध्याय प्रारम्भ हो गया। सन् 1930 में जब 'नमक कानून तोड़ो आंदोलन' शुरू हुआ, तो शास्त्री जी ने इसमें भाग लिया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें जेल जाना पड़ा। यहाँ से शास्त्री जी की जेल यात्रा की शुरूआत हुई तो वह सन् 1942 ई० में 'भारत छोड़ो' आंदोलन तक निरंतर चलती रही। इन 12 वर्षों के दौरान वे सात बार जेल गए। उसी से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनके अंदर देश की आजादी के लिए कितनी बड़ी ललक थी। दूसरी जेल यात्रा उन्हें सन् 1932 ई. किसान आंदोलन में भाग लेने के लिए करनी पड़ी। सन् 1942 ई० की उनकी जेल यात्रा 3 वर्ष की थी, जो सबसे लंबी जेल यात्रा थी ।

इस दौरान शास्त्री जी जहाँ तक एक ओर गाँधी जी द्वारा बताये गये रचनात्मक कार्यों में लगे हुए थे, वहीं दूसरी ओर पदाधिकारी के रूप में जनसेवा के कार्यों में लगे रहे। कार्य के प्रति निष्ठा और मेहनत करने की अदम्य क्षमता के कारण ही सन् 1937 ई० में संयुक्त प्रांतीय व्यवस्थापिका सभा के लिए निर्वाचित हुए, जिसका समापन, देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुँचने से हुआ।

प्रश्न :

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) शास्त्री जी की सबसे बड़ी विशेषता क्या थी?

(ग) शास्त्री जी के व्यक्तित्व को आकर्षक बनाने वाले गुण कौन-से थे?

(घ) किन गुणों के कारण शास्त्री जी का जीवन गाँधी जी के करीब था?

(ड.) 'विनम्र ही पृथ्वी के वारिस होंगे' का क्या आशय है ?

(च) शास्त्री जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने की शुरुआत कब से की?

(छ) शास्त्री जी 1942 ई० में किस सिलसिले में लेज गए ?

(ज) बारह वर्षों के दौरान वे कितनी बार जेल गए ?

(झ) उन्हें दूसरी जेल यात्रा कब और किस सिलसिले में करनी पड़ी?

(ञ) शास्त्री जी दूसरी ओर किस कार्य में लगे रहे?

(ट) 'अछूतोद्धार' कौन समास है?

(ठ) शास्त्री जी का पूरा नाम क्या था? लिखें।

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए-

भूखा मनुष्य क्या पाप नहीं करता अर्थात सभी पाप करते हैं। धन से क्षीण मनुष्य दयाहीन हो जाता है। उसमें कर्त्तव्य और अकर्त्तव्य का विवेक नहीं रहता । यही दशा आज के युग की है। चारों ओर डकैतियाँ, छीना-झपटी और लूट-खसोट सुनाई पड़ती है, कहीं बैंक लूटने का समाचार अखबार में छपा हुआ मिलता है, तो कहीं गाड़ियाँ लूटने का। मनुष्य के जीवन से आनन्द और उल्लास न जाने कहाँ जाते रहे। उसे अपनी और अपने परिवार की रोटियों की चिन्ता है। चाहे उसका उपार्जन सदाचार से हो या दुराचार से ।

आजकल श्रमिक या अनवरत बौद्धिक श्रम करने वाला विद्वान, सभी बेरोजगार के शिकार बने हुए हैं। निरक्षर तो किसी तरह अपने पेट भर लेते हैं परन्तु पढ़े-लिखे लोगों की स्थिति बहुत खराब है। यह कहना अतिश्योक्ति न होगा कि हम स्वतंत्र तो हैं किन्तु आर्थिक दृष्टिकोण से निश्चित रूप से परतंत्र हैं। एक सुखी सम्पन्न है तो पचास दुखी और दरिद्र । ऐसा नहीं है कि यह समस्या नई है। द्वितीय महायुद्ध से पहले यह समस्या भारत में विद्यमान थी। प्रश्न केवल यह है कि इस समय यह समस्या अपनी चरम सीमा पर पहुँच गई है।

यह भी ठीक ही है कि बढ़ती हुई जनसंख्या ने बेरोजगारी की समस्या को और भी बढ़ा दिया है। साधन सुविधाएँ और उत्पादन तो यही रहा परन्तु उपभोक्ता अधिक हो गए हैं। उदाहरण के तौर पर घर में कमाने वाला एक हो और खाने वाले दस हों, तो दरिद्रता अवश्य आएगी। बस यही दशा भारतवर्ष की हो रही है। यहाँ की सामाजिक परम्परा भी इसका मुख्य कारण है। बहुत से नकाराओं ने भीख माँगना अपना व्यवसाय बना लिया है जबकि साधु सन्यासियों को दान देना पुण्य समझा जाता है। इस प्रकार के बेरोजगारों की संख्या भी दिन-रात बढ़ती ही जा रही है।

प्रश्न :

(क) उपर्युक्त गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) मनुष्य कब दयाहीन हो जाता है?

(ग) आज के युग की दशा कैसी है?

(घ) आज मनुष्य किसकी चिन्ता करता है?

(ङ) आजकल कैसे लोग बेरोजगारी के शिकार हैं ?

(च) बेरोजगारी की समस्या का मुख्य कारण क्या है?

(छ) दरिद्रता कैसे आती है?

(ज) 'साक्षर' और 'सदाचार' का विलोम शब्द लिखें?

खण्ड-ख : रचना (15 अंक)

प्रश्न 3. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखें:

(क) मेरे जीवन का लक्ष्य:

(संकेत बिन्दु-भूमिका, लक्ष्य-निर्धारण क्यों, आदर्श मानव के गुण, लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास उपसंहार।)

(ख) पर्यावरण प्रदूषण :

(संकेत बिन्दु प्रदूषण का अर्थ पर्यावरण पर प्रदूषण का प्रभाव, प्रदूषण के प्रकार, प्रदूषण दूर करने के उपाय उपसंहार।)

(ग) हमारा राज्य झारखण्ड :

(संकेत बिन्दु-परिचय इतिहास, सीमा, निवासी साधन तथा उपसंहार।)

प्रश्न 4. समय का सदुपयोग का महत्त्व बतलाते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मुहल्ले की सड़कों एवं नालियों की समुचित सफाई हेतु नगरपालिका अध्यक्ष को एक अनुरोध पत्र लिखिए ।

खण्ड-ग : व्यावहारिक व्याकरण (15 अंक)

प्रश्न 5. वाक्य में प्रयुक्त क्रिया पदों को छाँट कर लिखिए:

(i) उसने चित्र बनाया है।

(ii) बच्चों को गाय का दूध दिया जाता है।

(iii) मैं तुम्हारा नाम जानता हूँ।

प्रश्न 6. रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पदों से कीजिए :

(i) पता नहीं वह ..... चला गया।

(ii) बालक चाँद को ..... देख रहा है।

(iii) अनुराग ..... सत्य बोलता है।

प्रश्न 7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(i) मिश्र वाक्य का उदाहरण दीजिए।

(ii) जो व्यक्ति परिश्रम करता है, उसे सफलता मिलती है। (सरल वाक्य में बदलें।)

(iii) उसने कहा कि मैं कल दिल्ली जाऊँगा। (आश्रित उपवाक्य को अलग कीजिए।)

प्रश्न 8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(i) सुरेश से पत्र लिख जाता है। (कर्तृवाच्य में बदलें)

(ii) सरकार ने घोषणा की। (कर्मवाच्य में बदलें।)

(iii) रोगी उठ नहीं सकता। (भाववाच्य में बदलें।)

प्रश्न 9. (i) 'यथासंभव' का समास विग्रह करें।

(ii) 'लम्बोदर' कौन समास है?

(iii) 'काल' के दो भिन्न अर्थ लिखें।

खण्ड - घ : पाठ्य पुस्तकें (50 अंक)

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

घेर-धोर घोर गगन, धाराधर ओ ।

ललित ललित, काले घुँघराले,

बाल कल्पना के से पाले,

विद्युत छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले ।

वज्र छिपा, नूतन कविता फिर भर दो-बादल, गरजां ।

प्रश्न :

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) यहाँ कवि किसे और क्या घेरने को कह रहे हैं?

(ग) किसके उर में विद्युत छवि है?

(घ) इस पद्यांश में किन शब्दों की पुनरुचित हुई है?

अथवा

फसल क्या है?

और जो कुछ नहीं है वह

नदियों के पानी का जादू है वह

हाथों के स्पर्श की महिमा है।

भूरी काली संदली मिट्टी का गुण धर्म है

रूपांतल है सूरज की किरणों का

सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का।

प्रश्न : (क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवि के अनुसार फसल क्या है?

(ग) 'नदियों के पानी के जादू' का क्या तात्पर्य है?

(घ) 'हवा की थिरकन' का क्या आशय है?

प्रश्न 11. निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) गोपियों में किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं।

(ख) चाँदनी रात की सुन्दरता को कवि देव ने किन-किन रूपों में देखा है?

(ग) 'हाथ मत छूना' कविता में व्यक्त दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी है? लिखें।

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) गोपियों ने अपने वाक्चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया, उनके पाक्चातुर्य की विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?

अथवा

(क) पठित कविताओं के आधार पर कवि देव की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।

(ख) कवि की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही है?

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पूरी बात तो अब पता नहीं, लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजअ से कहीं बहुत ज्यादा होने के कारण काफी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बर्बाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घडियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर मान लीजिए मोतीलाल जी को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे। https://www.jharkhandboard.com

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) छोटे कस्बे में सार्वजनिक निर्माण में प्रयाः कौन-सी समस्याएँ आती हैं?

(ग) मूर्ति बनवाने का काम किसको सौंप दिया गया होगा?

(घ) 'पटक देन' का अर्थ रहा होगा?

अथवा

नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की एक फाँक उठाकर होंठो तक ले गये। फाँक को सूंघा स्वाद के आनन्द में पलकें मुँद गई। मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया। तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

(ख) नवाब साहब ने खीरे का रसास्वादन किस प्रकार किया?

(ग) 'दीर्घ विश्वास लेना' मुहावरे का क्या अर्थ है ?

(घ) 'सतृष्ण आँखों से' क्या अर्थ है?

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) पठित पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।

(ख) पाठ में आए उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जिनसे फादर बुल्के का हिन्दी प्रेम प्रकट होता है?

(ग) वह कौन - सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर ?

(घ) काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) लेखक ने फादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है?

(ख) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है ?

अथवा

(क) तब की शिक्षा प्रणाली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अन्तर है ? स्पष्ट करें।

(ख) वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है ?

प्रश्न 16. प्रस्तुत यात्रा वृत्तांत में लेखिका ने हिमालय के जिन-जिन रूपों का चित्र खींचा है, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

भारत के स्वाधीनता आंदोलन में दुलारी और टुन्नु ने अपना योगदान किस प्रकार दिया? लिखिए ।

प्रश्न 17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए:

(क) भोलनाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है?

(ख) सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिन्ता या बदहवासी दिखाई देती है वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है?

(ग) कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?

(घ) लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है, क्यों ?